सेंट्रल इण्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी

(क्रिश्चियन लाईफ कॉलेज, U.S.A. एवं इंटरनैश्नल कॉलेज आफ एक्सेलैंस, U.S.A. से मान्यता प्राप्त)

मास्टर आफ डिवनिटी

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विवरण–पत्र

सेंट्रल इण्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी
पोस्ट बाक्स– 63, मालवीयगंज,
इटारसी – 461111, मध्य प्रदेश।

सेंट्रल इण्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी की मूल विश्वास–पत्री

हम विश्वास करते है कि

1. पवित्र शास्त्र जो परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया, केवल अभ्रान्त, पर्याप्त एवं विश्वास नियम और व्यवहार में अधिकार रखता है।
2. एक ही ईश्वर हैं जो तीन व्यक्तित्व अर्थात पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा में अस्तित्व रखता है।
3. मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप में सृजा गया हैं परन्तु आदम के आज्ञा उल्लंधन द्वारा पापमय अवस्था एवं बिना ईश्वरीय सहायता के उद्धार के लिए असहाय एवं असमर्थ हो गया है।
4. प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र एवं स्वरूप है। वह कुंवारी से जन्मा, निष्पाप जीवन व्यतीत किया, अपना लहू बहाकर हमारे निमित क्रुस पर प्रायश्चित कर मृत्यु दण्ड भोगा, फिर मृतकों में से जी उठा, स्वर्ग पर उठा लिया गया, हमारे लिए पिता के सन्मुख मध्यस्थ होकर प्रार्थना करता है, और दुष्टों का न्याय एवं विश्वासियों के उद्धार के लिए वापस प्रगट होगा।
5. आत्मा द्वारा नए जन्म से पतित एवं पापी मनुष्यों का उद्धार होता है।
6. मसीही पवित्र जीवन व्यतीत करने निमित्त पवित्र आत्मा विश्वासी के हृदय में अंतरवास करता हैं।
7. पवित्रात्मा का बपतिस्मा उद्धार पश्चात एक अद्वितीय अनुभव है जिससे विश्वासी मसीही जीवन एवं सेवकाई में दैवीय सामर्थ प्राप्त करता है एवं इसका चिन्ह अनन्यभाषा है।
8. हमारे प्रभु यीशु मसीह में समस्त विश्वासी एक है एवं कलीसिया जो मसीह का अटूट देह है विश्व में मसीह की गवाह हैं।
9. प्रभु यीशु मसीह के दुबारा आगमन पर पतित एवं उद्धार पाए हुओं का पुनुरुत्थान, उद्धार पाए हुओं के लिए जीवन का पुनुरुत्थान तथा पतितों के लिए दण्ड निमित्त पुनुरुत्थान होगा।

संकाय (स्नातकोत्तर विभाग)

1. डॉ. मैथ्यु के. थामस (परामर्श, धर्मविज्ञान) – अध्यक्ष/प्राचार्य
2. डॉ. डैरिल मैरिल (धर्मविज्ञान, भाष्यशास्त्र) – कुलाधिपति
3. डॉ. मार्क कॉवर्ट (कलीसिया प्रबंधन) – कुलपति
4. डॉ. जेकब के. थामस (मिशन्स) – निदेशक, अंतराष्ट्रीय सम्पारण
5. डॉ. डॉमिनिक मर्बनियांग (धर्मविज्ञान, दर्शनशास्त्र, विश्व धर्म) – संकायाध्यक्ष
6. रेव्ह. बिनॉय जॉन (नया नियम, युनानी) – उप–प्राचार्य
7. डॉ. सैमुएल राज (परामर्श, कलीसिया इतिहास)
8. रेव्ह. शेख अब्दुल (नया नियम, युनानी)
9. रेव्ह. किशन लाल (मिशन्स, बाईबल अध्ययन)
10. रेव्ह. सैमसन कलगुर (विश्व धर्म, पुराना नियम)

अतिथि संकाय

1. डॉ. पौल वैली (पेंटिकॉसटल अध्ययन)
2. डॉ. वेयन वैख्समथ (इब्रानी भाषा, पुराना नियम, दार्शनिक धर्मविज्ञान)
3. डॉ. शेरिल जॉनसन (मनोविज्ञान, परामर्श)
4. डॉ. फ्रैड जोब (भाष्यशास्त्र, पुराना नियम)
5. रेव्ह. कार्ल जॉनसन (भविष्योद्घोषी साहित्य)
6. रेव्ह. फ्लाइड निकलसन (भविष्योद्घोषी साहित्य)
7. रेव्ह. मार्क ब्रैटरूट (मसीही नेतृत्व)

सेंट्रल इण्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी

मास्टर आफ डिवनिटी
(एम.डिव. पत्राचार पाठ्यक्रम)

विवरण–पत्र

मास्टर आफ डिवनिटी (एम.डिव.) धर्मविज्ञान में एक स्नातकोत्तर उपाधि है जो सेंट्रल इण्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी द्वारा आधुनिक सेवकाई आवश्यकताओं की पूर्ती एवं सेवकाई सम्बन्धित उच्च प्रशिक्षण की दृष्टि से दिया जा रहा हैं। इस पाठ्यक्रम में धर्मविज्ञान, मिशन्स, पास्बानी सेवकाई, एवं बाईबलीय अध्ययन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

लक्ष्य

1. संसार के विभिन्न संदर्भों में मसीही सेवकाई हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।
2. संसार के विभिन्न मानव समूहों के मध्य मसीही मूल्यों की गवाही हेतु प्रशिक्षित करना।
3. अंतर–विषयी दृष्टिकोणों को बढ़ावा देना ताकी धर्मविज्ञान एवं सेवकाई कला का लाभदायक मिलन हो सकें।
4. नियंत्रित एवं उद्देश्य–केंद्रित प्रायोगिक सेवकाई में प्रशिक्षण प्रदान करना।
5. मसीही कलीसिया की उन्नति हेतु सेवकाई के लिए गुणात्मक प्रशिक्षण प्रदान करना।
6. मसीही सिद्धांतो के प्रसारण में मदद्गार कलाओं को विक्सित करना।

एम. डिव. में प्रवेश हेतु योग्यताएं

निम्न वर्गों के लोग एम.डिव. में प्रवेश के लिए आवेदन दे सकते हैं:

1. न्यूनतम द्वितीय श्रेणि बी.टिएच. प्राप्त उम्मेदवार।
2. त्रितिय श्रेणि बी.टिएच. प्राप्त उम्मेदवार – इनहे मसीही सेवकाई में अनुभवकाल के आधार पर लिया जाएगा।
3. अन्य स्नातक प्राप्त उम्मेदवार, जैसे बी.ए., बी.एससी., इत्यादी – इनहे प्रवेश परीक्षा के परिणामों के आधार पर लिया जाएगा।

आवेदन

आवेदन पत्र के साथ निम्न दस्तावेजों को जमा किया जाना चाहिए:

1. मसीही अनुभव का बयान।
2. सभी प्रमाण–पत्रों एवं अंक–सूचियों के सत्यापित प्रतियां। प्रवेश के समय मूल प्रमाण–पत्रों को जमा करना होगा।
3. स्वास्थ्य प्रमाण–पत्र।
4. आर्थिक जिम्मेवारी का बयान।
5. सिफारिश पत्र।
6. तीन पास्पोर्ट साइज तस्वीरें।

नोटः अपूर्ण एवं असंगत आवेदन–पत्र स्वीकार्य नही किये जाएंगे।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

1. बी.टिएच. उत्तीर्ण उम्मेदवारों के लिए 28 विषय, 4 सेवकाई रिपोर्टें, 4 समाकलित लेख, 4 सेमिनार, एवं एक शोध –लेख पूरा करना अनिवार्य हैं।
2. अन्य उम्मेदवारों के लिए एम.डिव. प्रवेशिका के 12 विषय समवेत 42 विषय, 6 सेवकाई रिपोर्टें, 6 समाकलित लेख, 6 सेमिनार, एवं एक शोध–लेख पूरा करना अनिवार्य हैं।

सेवकाई रिपोर्ट

1. हर सत्र में विद्यार्थी किसी भी मसीही सेवकाई क्षेत्र में भाग लेगा।
2. सेवकाई की कुल अवधि 30 दिन से कम नही होना चाहिए।
3. सेवकाई के दौरान विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम से सीखे गए सिद्धांतों को अपनी सेवकाई में प्रयोग करने पर विशेष ध्यान दें।
4. सेवकाई का रिपोर्ट सत्र समापन पर शैक्षणिक कार्यालय में जमा किया जाएगा।
5. सेवकाई रिपोर्ट हस्त–लिखित या टाईप–लिखित हो सकता है; कुल 5000 शब्दों से अधिक ना हो।
6. सेवकाई रिपोर्ट का एवं उसके एक प्रति का सत्यापन स्थानिय कलीसिया के पासबान द्वारा होना होगा।

सेमिनार

1. वर्ष में दो बार हर सत्र के प्रारंभ में 6 दिनों का सेमिनार सेमिनरी प्रांगन में आयोजित किया जाएगा।
2. सेमिनार के दौरान विद्यार्थी को सत्र के विषयों से परिचित किया जाएगा एवं सत्र से संबंधित लेखन कार्य इत्यादी की जानकारी दी जाएगी। प्रश्न, विचारविमर्श, एवं स्पष्टीकरण के लिए समय होगा।
3. सेमिनार में स्थानीय प्रोफेसरों एवं विश्व विख्यात विद्वानों के द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे जिसकी समय–सारणी संबंधित सूचना विद्यार्थी को दी जाएगी।
4. सेमिनार में सहभागिता विद्यार्थी के लिए अनिवार्य हैं।
5. सेमिनार के दौरान पुस्तकालय की सुविधा भी उपलब्ध होगी।
6. सेमिनार के दौरान ही परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी।

समाकलित लेख

1. हर सत्र के विषयों पर एक समाकलित लेख लिखना होगा।
2. हर समाकलित लेख 50 अंको का होगा।
3. समाकलित लेखों का उद्देश्य है कि इसके द्वारा सत्र में के विषयों का विद्यार्थी की समझ का मूल्यांकन हो पाए एवं विद्यार्थी को विषयों का समाकलित दृष्टि प्रदत्त हो सके।

शोध–लेखन

1. प्रथम वर्ष के द्वितीय सत्र के अंत में विद्यार्थी द्वारा एक शोध–प्रस्ताव शैक्षणिक कमेटी के स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। कमेटी द्वारा स्वीकृत शोध–प्रस्ताव निर्णायक होगा।
2. शोध–लेख टाइप लिखित एवं A4 साईज कागज के एक तरफ पन्ने पर, डबल स्पेस्ड, एवं बाईन्डिंग किया गया हो।
3. शोध–लेख की तीन प्रतियाँ सारांश सहित अंतिम सत्र के निर्धारित तिथि पर जमा किया जाना चाहिए।
4. शोध–लेख कुल 15,000 शब्दों का होना चाहिए।
5. शोध–लेख के मूल्यांकन में निम्न बातों का ध्यान रखा जाएगाः
    - अ. विषय के ज्ञान की सटीकता एवं विस्तार।
    - आ. तर्कों की सुसंगती।
    - इ. विचारों की मौलिकता।
    - ई. प्रस्तुतिकरण (ग्रान्थाकार, टाईपिंग, इत्यादि)।

6. सभी विद्यार्थियों को एक्सिट–इंटरव्यू में संभागी होना पड़ेगा, जिसमें शोध–लेखन से संबंधित विद्यार्थी के ज्ञान एवं समझ का मूल्यांकन किया जाएगा।

लेखन कार्य

शोध–लेखन के अलावा विषय सम्बंधित अन्य लेखन कार्य की पूर्ती आवश्यक होगा। इनका विवरण सेमिनार के समय विद्यार्थी को दिया जाएगा। इन लेखन कार्यों का उद्देश्य विषय में विद्यार्थी का विस्तृत ज्ञान एवं शोध को बढ़ावा देना हैं।

परीक्षा संबंधित नियम

1. विद्यार्थी के लिए आवश्यक रूप से सभी निर्धारित परीक्षाओं में भागी होना होगा।
2. प्रति विषय न्यूनतम 40 प्रतिशत एवं कुल सभी विषयों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर ही विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, अन्यथा वह अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
3. अनुत्तीर्ण विद्यार्थी पुनर्परीक्षा हेतु आवेदन दे सकता है एवं प्रति विषय रु 50/– जमा कर शैक्षणिक कमेटी के निर्देशानुसार पुनप्ररीक्षा दे सकता है।
4. परीक्षा में अनुपस्थित विद्यार्थी आवेदन में कारण दर्शाकर पुनर्परीक्षा के लिए आवेदन दे सकता है। बीमारी कारण अनुपस्थित विद्यार्थी के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट अनिवार्य होगा।

मूल्यांकन प्रणाली

पाठ्यक्रम का विभाजन सत्रों में किया गया है। हर सत्र में 7 विषय होंगे। सत्र के अंत में परीक्षा होंगे। प्रति विषय का मूल्यांकन निम्न प्रकार से किया जाएगाः

लिखित परीक्षा – 60 प्रतिशत
लेखन कार्य – 40 प्रतिशत

ग्राडिंग निम्नानुसार होगीः

प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी
A+ (80%+)	B+ (65%)	C+(50%)
A (75%)	B (60%)	C (45%)
A- (70%)	B- (55%)	C- (40%)

कुल मूल्यांकन

प्रति विषय	–	100 अंक
समाकलित लेख	–	50 अंक
शोध–लेख	–	160 अंक
एक्सिट इंटरव्यू	–	40 अंक

सेमिनार में भाग लेना अनिवार्य हैं।

शुल्क–विवरण

		2 वर्षीय	*3 वर्षीय*
आवेदन	– रु 100		
प्रवेश परीक्षा शुल्क	– रु 100		
प्रवेश शुल्क	– रु 300		
प्रति सत्र शुल्क	– रु 600	रु 2400	रु 3600
सेमिनार शुल्क प्रति सत्र	– रु 500	रु 2000	रु 3000
प्रति समाकलित लेख शुल्क	– रु 100	रु 400	रु 600
परीक्षा शुल्क प्रति सत्र	– रु 600	रु 2400	रु 3600
शोध–लेख शुल्क	– रु 500		
दीक्षांत शुल्क	– रु 500		
कुल	–	रु 8,600.00	रु 12,300.00

*परीक्षा अनुत्तीर्ण होने पर पुनर्प्ररीक्षा शुल्क रु 50/– प्रति विषय देय होगा।

उपाधि प्रदान

शैक्षणिक कमेटी द्वारा निर्धारित सभी शैक्षणिक आवश्यक्ताओं का विद्यार्थी द्वारा पूर्ती के संदर्भ में संकाय की ओर से निदेशक विद्यार्थी को सेमिनरी समिति के सामने एम.डीव. उपाधि के प्रदान हेतु सिफारिश करेगा।

विषयों की सूची

एम.डिव. प्रवेशिका

सत्र 1

1. पुराना नियम – परिचय
2. सामान्य जागरुकता
3. शोध–पद्धति
4. नया नियम परिचय
5. प्रभु यीशु मसीह का जीवन एवं सेवकाई
6. भारतीय संस्कृति एवं इतिहास
7. पंचग्रांथ

सत्र 2

1. रोमियों की पत्री
2. मसीहत का इतिहास
3. प्रचारशास्त्र
4. विश्व के प्रमुख धर्म
5. धर्म–विज्ञान परिचय
6. प्रेरितों के काम
7. दानियल एवं प्रकाशितवाक्य

एम.डिव. प्रथम वर्ष

सत्र 1

1. समदर्शी सुसमाचार
2. पुराना नियम का धर्मविज्ञान
3. भाष्यशास्त्र
4. धर्मविज्ञान – 1
5. मनोविज्ञान – परिचय
6. दर्शनशास्त्र का परिचय
7. पुराना नियम का पुरातत्व–विज्ञान

सत्र 2

1. मसीही धर्मप्रमाण शास्त्र
2. अंतर–वाचा काल में धार्मिक विचार का विकास
3. पास्तरी मनोविज्ञान
4. धर्मविज्ञान – 2
5. मिशन्स – परिचय
6. इस्राएल का इतिहास
7. नया नियम का धर्मविज्ञान

एम.डिव. द्वितीय वर्ष

सत्र 1

1. भविष्योद्घोषी साहित्य
2. आधुनिक धर्मविज्ञान
3. पेंतिकुस्तीयवाद–ऐतिहासिक परिचय
4. भारत के मसीही धर्मविज्ञान
5. काव्य एवं नीति साहित्य
6. मसीही नीतिशास्त्र
7. पौलुस का विचार

सत्र 2

1. सुसमाचार प्रचार
2. धर्मविज्ञान – 3
3. आधुनिक धार्मिक आन्दोलन
4. मसीही सम्प्रेषण
5. मसीही शिक्षा सिद्धांत
6. मसीही परामर्शदान
7. कलीसिया संघटन एवं प्रबंधन

नोटः विवरण–पत्र में अवश्यक्तानुसार संशोधन करने का सेमिनरी को सम्पुर्ण अधिकार हैं।